newsjankalyanseva@gmail.com

जनकल्याण सेवा
साप्ताहिक

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - २६ | १७ से २३ जुलाई २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

जानलेवा सड़के

दिल्ली में हर साल कुछ देर की बरसात के बाद सड़कों पर जलजमाव और उससे यातायात का पूरी तरह ठहर जाना एक ऐसी आम समस्या बन चुकी है, जो तमाम सवालों के बावजूद लंबे समय से कायम है। लेकिन इससे इतर सामान्य से ज्यादा बारिश के बाद दिल्ली के कई इलाकों में इस साल फिर जिस तरह सड़कों के धंसने के मामले सामने आए हैं, वह ज्यादा चिंताजनक है। पिछले कुछ दिनों में रोहिणी, ग्रेटर कैलाश और जनकपुरी इलाके में अचानक सड़क पर एक बड़ा हिस्सा धंस कर गहरा गड्ढा बन गया। ये गड्ढे इतने खतरनाक शक्ल में हो जा रहे हैं कि कोई वाहन गिर जाए तो उसमें सवार लोगों का जिंदा बचना भी मुश्किल हो। दिल्ली के केंद्र में संवेदनशील माने जाने वाले इलाके इंडिया गेट के पास भी मंगलवार को बारिश की वजह से सड़क पर एकाएक बड़ा गड्ढा बन गया। हाल ही में जनकपुरी में सड़क धंसने से बना गड्ढा इतना बड़ा था कि अगर कोई भारी वाहन भी उस समय वहां से गुजर रहा होता तो उसमें पूरा समा जाता। द्वारका इलाके में एक ऐसी घटना सामने आ चुकी है कि जिसमें सड़क धंसने से एक कार उसके अंदर समा गई थी। ऐसी घटनाओं के बाद आनन-फानन में मरम्मत करवा कर यातायात तो फिर सामान्य बना दिया जाता है, लेकिन सड़क के इस तरह धंसने के कारणों पर शायद विचार करने की जरूरत नहीं समझी जाती। सवाल है कि राष्ट्रीय राजधानी में भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता भी अगर इस स्तर की है कि जहां-तहां सड़कों का धंसना बड़े हादसे का कारण बन सकता है तो देश के दूरदराज के इलाकों में स्थिति क्या होगी! लगभग सभी सरकारें सड़क निर्माण के मामले में बढ़-चढ़ कर दावे करती रहती हैं। लेकिन बरसात की वजह से अच्छी मानी जाने वाली सड़कें भी जानलेवा स्तर तक खतरनाक होने लगें तो उसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? दरअसल, दिल्ली में जितनी जगहों पर भी सड़क धंसने के मामले सामने आए हैं, उन्हें पानी जमा होने की वजह से कोलतार या अन्य सामग्रियों के बिखरने से होने वाला सामान्य गड्ढा नहीं माना जा सकता। यह न केवल सड़क निर्माण में भ्रष्ठाचार की वजह से सामग्रियों में कटौती या घटिया सामान के उपयोग का मामला है, बल्कि यह सड़क के नीचे के जमीन के ठोस होने का आकलन करने में चूक या इसका ध्यान रखने में नाकामी का भी उदाहरण है। ऐसा लगता है कि सड़क बनाने के क्रम में सतह के नीचे की स्थिति के सर्वेक्षण में इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि पानी या किसी अन्य वजह से क्या कोई जोखिम पैदा हो सकता है! ऐसे मामले भी हैं जिनमें सड़क के किनारे से पानी का पाइप कहीं से फट जाता है और उससे पानी निकलता रहता है। या फिर सीवर लाइन में गड़बड़ी की वजह से रिसते पानी से जमीन धीरे-धीरे खोखली होती रहती है। ऐसे में जब बारिश होती है तब पहले से खोखली हो चुकी जमीन ऊपर बनी सड़क या उस पर भारी वाहनों के आने-जाने का भार सहन नहीं कर पाती है और अचानक ही धंस जाती है। मगर पानी के पाइप या सीवर लाइन के दुरुस्त होने पर नजर रखना एक गैरजरूरी काम माना जाता है। जबकि इस अनदेखी के घातक नतीजे सामने आते हैं। फिर आधुनिक तकनीकों के उपयोग से जमीन की स्थिति का अंदाजा लगा कर समय पर उसमें सुधार या मरम्मत करके सुरक्षित बनाया जा सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सड़क धंसने की घटनाओं को नजरअंदाज करना किसी बड़े हादसे का सबब बन सकता है।

बलात्कार के आरोप में श्रीकांत यादव व मिलन यादव हुए गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : पड़ोस में रहने वाली मुंह बोली आंटी द्वारा एक १४ वर्षीया नाबालिग लड़की के साथ २ लोगों से दुराचार करवाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की शिकायत पर काशीमीरा पुलिस ने दोनों आरोपियों को बलात्कार और पोस्को के तहत गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य महिला आरोपी फरार बताई जा रही है। पीड़िता द्वारा पुलिस में दर्ज कराए शिकायत के अनुसार वह घोडबंदर में रहती है। उसके पिता मजदूरी और मां दूसरों के घर का काम करती है। दिन में घर मे अकेली रहने के कारण वह पड़ोस में रहने वाली पूजा यादव (आंटी) के घर आया जाया करती थी। एक रात पूजा आंटी ने उसे यह कह कर रात में अपने घर सोने के लिए बुलाया कि उसका पति श्री कांत यादव नाईट ड्यूटी पर गया है। पीड़िता जब उसके घर गई तो रात को उसके पति ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उस समय पूजा

आंटी वहीं जमीन पर सो रही थी। सुबह पीड़िता को किसी से नही बताने की धमकी देकर उसे घर भेज दिया। इसके बाद भी कई बार पूजा आंटी ने पीड़िता को उसके पति श्रीकांत यादव के साथ शारीरिक संबंध बनाने को मजबूर किया। इतना ही नही तो उस पूजा आंटी ने पीड़िता को अपने पहले पति मिलन यादव के साथ भी शारीरिक संबंध बनाने पर मजबूर किया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार करीब डेढ़ माह पहले पूजा आंटी अपने मूल गांव उत्तरप्रदेश चली गई। उसके बाद उसका पति श्रीकांत यादव भी कहीं दूसरे जगह रहने चला गया। इन दोनों के वहां से चले जाने के बाद पीड़िता ने यह सारी घटना अपने पड़ोस में रहने वाली नीतू को बताई, नीतू ने यह सब अपने पति विलास को बताया। इसके बाद विलास ने पीड़िता को हिम्मत दी और ११ जुलाई को काशीमीरा पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। काशीमीरा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीप कदम ने बताया कि इस प्रकरण में श्रीकांत यादव और मिलन यादव को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता की मेडिकल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरों से बरामद किया माल पुलिस ने लौटाए मालिकों को

जेकेएस संवाददाता

मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाले परिमंडल-१ के कार्य क्षेत्र में हुए चोरी के वारदातों को सुलझाते हुए पुलिस द्वारा रिकवर हुए सभी सामान को उनके मालिको को सौंपा गया। भायंदर पश्चिम के मेक्सस मॉल में रखे कार्यक्रम में पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त मधुकर पांडे की उपस्थिति में सभी सामान को उनके मालिक को वापिस किया गया, परिमंडल- १ के अंतर्गत आने वाले नवघर पुलिस स्टेशन, काशीमीरा पुलिस स्टेशन, भायंदर पश्चिम पुलिस स्टेशन, नया नगर पुलिस स्टेशन, उत्तन पुलिस स्टेशन के कार्य क्षेत्र में हुए विभिन्न प्रकार की चोरी और छीना झपटी में पुलिस ने इन सामानों को बरामद किया था। पुलिस ने नगद, सोने चांदी के जेवर, ऑटो रिक्शा, मोबाइल, कार सहित कुल १,८६,३८५७० रुपये का सामान लोगो को लौटाया। पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने पुलिस कार्यों के प्रोसेस का उल्लेख किया, उन्होंने कहा कि केस रजिस्टर्ड होने के बाद जब तक नागरिकों का चोरी एवं खोया हुआ सामान उन्हें वापस नहीं मिल जाता तब तक पुलिस का कार्य समाप्त नहीं होता, उन्होंने आम नागरिकों से कहां कि घर में ज्यादा नगद और सोने चांदी के गहने ना रखें, इसे रखने के लिए बैंक और लॉकर की मदद ले। साथ ही उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम से भी लोग बचे, अनचाहे इमेल और व्हाट्सएप आए मैसेजेस पर अपनी डिटेल साझा ना करें, क्रिप्टो करेंसी जैसा स्कैम भी चलन में है, उससे भी आम नागरिक सावधान रहें ऐसी आह्वान आयुक्त मधुकर पांडे ने लोगों से की। समान मिल जाने पर लोगों ने पुलिस का धन्यवाद दिया, इस कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, परिमंडल -१ के पुलिस उपायुक्त जयंत बजबले सहित तमाम पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

भाईंदर में चोरों का आतंक, कई शटर के तोडे ताले

भायंदर. बुधवार की देर रात और गुरुवार की भोर के बीच चोरों ने भायंदर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एट लेक बीयर बार से लेकर मैक्सेस मॉल तक के ६ दुकानों के शटर तोडक़र चोरी करने की कोशिश की. चोरों ने जिन दुकानों के शटर तोड़े, उनमें तीन कंप्यूटर सामग्री स्टोर, एक किराना स्टोर, एक लैब और एक हार्डवेयर की दुकान का समावेश है. चोरों ने दुकानों के शटर तो तोड़े लेकिन वे चोरी करने में सफल नहीं हो सके क्योंकि दुकानों के अंदर कांच के दरवाजे थे. इसलिए इस चोरी की घटना में किसी भी दुकानदार को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है. शहर में चोरी की वारदातों में वृद्धि देखी जा रही है. एक ही रात में ६ दुकानों में चोरी होने की सूचना मिलते ही भायंदर पुलिस के कान खडे.हो गए हैं. क्योंकि चोरी की यह वारदात भायंदर पश्चिम के पॉश माने जाने वाले मैक्सस मॉल के पास घटित हुई है. यहीं पर राज्य सरकार की टेंवा हॉस्पिटल भी है.

सोलराइज मैकेनिकल कंपोस्टिंग फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट का हुआ निर्माण मिरा भाईंदर में

भायंदर : मीरा भायंदर शहर को कचरा मुक्त करने के ध्येय से आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले के निर्देशन और मार्गदर्शन में घन कचरा प्रकल्प प्रबंधन विभाग के माध्यम से शहर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे पर प्रक्रिया करने के लिए विभिन्न उपक्रम लागू किए जाएंगे। मनपा क्षेत्र में महाराष्ट्र सरकार की बुनियादी सुविधा विकास योजना के तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर विकेन्द्रीकरण द्वारा १०० मीट्रिक टन गीले कचरे से सोलराइज मैकेनिकल कंपोस्टिंग फर्टिलाइजर परियोजना स्थापित की जाएगी। इसके तहत भायंदर पूर्व सचिन तेंदुलकर मैदान में २० टन, नवघर आरक्षण नं. १२२ में २० टन, मीरा रोड हटकेश एसटीपी क्रमांक ८ पर २० टन क्षमता, के सोलराइज मैकेनिकल कंपोस्टिंग फर्टिलाइजर प्लांट के निर्माण के लिए ठेकेदार को वर्क ऑर्डर दे दिया गया है।वहीं, चेना में ४० टन सोलराइज मैकेनिकल कंपोस्टिंग फर्टिलाइजर प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। साथ ही आयुक्त ढोले ने महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाभियान के तहत नवघर आरक्षण क्र. १२२ पर १० टन एवं पेनकारपाड़ा आरक्षण क्र.३५३ पर २० टन मिश्रित घन कचरा पर प्लाज्मा प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रक्रिया करने हेतु परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव जिलाधिकारी कार्यालय, ठाणे के जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रशासनिक मान्यता के लिए प्रस्तुत किया गया है। मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में नियमित रूप से ४०० से ५०० टन कचरा जमा होता है। उसके लिए आयुक्त की उपस्थिति में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से घन कचरा से कंप्रेस्ड बायो गैस बनाने पर प्रस्तुतीकरण किया गया। बताया जा रहा है कि इससे प्रतिदिन लगभग २०० से २५० टन कचरे पर प्रक्रिया किया जाएगा। आगामी समय में मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में जमा होने वाले घन कचरा पर विविध पद्धति से प्रक्रिया कर शहर को कचरा मुक्त करने का ध्येय आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले ने व्यक्त किया है।

सरनाईक की मांग पर सरदार पटेल शिलान्यास भवन का हुआ शुभारंभ

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरा भायंदर महानगरपालिका के आरक्षण क्रमांक ३१० की भूखंड पर रविवार को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल भवन के निर्माण का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। विधायक प्रताप सरनाईक के प्रयत्नों से सरकार के मूलभूत सुविधा विकास योजना अंतर्गत इस भवन का निर्माण किया जा रहा है। विधायक सरनाईक की मांग पर राज्य सरकार ने भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए की निधि मंजूर की है। प्रथम चरण में १२०० वर्गफुट के हॉल का निर्माण किया जाएगा। शिलान्यास के अवसर पर गुजरात के शिक्षामंत्री प्रफुलभाई पानसेरिया, विधायक प्रताप सरनाईक, गीता भरत जैन, गुजरात

के विधायक जीतूभाई वाघानी, विनुभाई मोराडिया तथा मनपा आयुक्त - प्रशासक दिलीप ढोले उपस्थित थे। सरदार वल्लभभाई पटेल भवन के शिलान्यास कार्यक्रम की मनपा द्वारा प्रकाशित निमंत्रण पत्रिका में भूलवश उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। इस संबंध में विवाद होने पर शीघ्र संज्ञान लेकर मनपा प्रशासन ने भूल सुधार कर दूसरी निमंत्रण पत्रिका प्रकाशित की। जिस पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नाम का भी उल्लेख किया गया था। मीरा भायंदर शहर में विधायक प्रताप सरनाईक के प्रयासों और राज्य सरकार से प्राप्त निधि से अब तक वारकरी भवन, मराठा भवन, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय भवन, हरिवंश राय बच्चन हिंदी भाषा भवन का शिलान्यास किया गया है। हाल ही में मैथिली समाज भवन, दक्षिण भारतीय भवन और बंगाली समाज भवन का शिलान्यास होकर निर्माण कार्यों का श्री गणेश भी हुआ है। जिसे सरनाईक के विरोधी उन्हें शहर में भवन पॉलिटिक्स करने तथा समाज को बांटने के कार्य का आरोप लगाया है। हालांकि सरनाईक का कहना है कि मीरा भायंदर शहर को पहले बीयर बारों का शहर कहा जाता था, उन्हे गर्व है कि अब इस शहर को समाज भवनों के शहर के रूप में जाना जाएगा।

डीमार्ट के स्टाफ ने ही डीमार्ट में लगाई आग,छुट्टी को लेकर थी तनाव में

भायंदर : मीरा भाइंदर में भायंदर पश्चिम के डी मार्ट मॉल मे एक ऐसी घटना घटीं जहां छुट्टी और काम के घंटों में बदलाव के बार-बार अनुरोध के बावजूद अपने वरिष्ठों द्वारा नजरअंदाज किए जाने से नाराज एक महिला कर्मचारी ने डी-मार्ट में आग लगा दी। इस संबंध में भायंदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. आरोपी एक महिला है। उसने कुछ महीने पहले भायंदर पश्चिम में डीमार्ट में काम करना शुरू किया था। लेकिन काम करते समय उसे छुट्टी मिलने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड. रहा था।

साथ ही, उसके वरिष्ठ उसके काम के घंटों को बदलने से इनकार कर रहे थे। इसी वजह से वह पिछले कुछ दिनों से नाराज चल रही थी। आखिरकार गुरुवार दोपहर गुस्से में आकर इस महिला कर्मचारी ने डीमार्ट में जहां कपडे.और खिलौने रखे थे, वहां आग लगा दी. करीब २० हजार का सामान जल कर राख गया। भांयदार पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक मुगुटराव पाटिल के मुताबिक, स्टोर मैनेजर की शिकायत के आधार पर इस महिला कर्मचारी के। खिलाफ भायंदर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

बीएसयूपी घोटाले में फर्जी हस्ताक्षर का मामला गरमाया

मीरा-भाईंदर : मीरा- भाईंदर के करोडों रुपये के बीएसयूपी घोटाले में रोज नए राज खुल रहे हैं। ताजा मामले में शहर अभियंता दीपक खाम्बित के अवैध हस्ताक्षर कर फर्जी लाभार्थी बनाने का खुलासा हुआ है। खाम्बित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि खाम्बित के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कागजात बनाने के मामले में मीरा-भाईंदर मनपा के दो कर्मचारी और पूर्व बीजेपी नगरसेविका का एक रिश्तेदार पुलिस के रडार पर है। खाम्बित ने पुलिस में शिकायत की बात की पुष्ठि की है। इस मामले में अब तक ७ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पुलिस पर नेताओं के दबाव में काम करने का आरोप लग रहा है। हाल में पुलिस उपायुक्त ने इस मामले में जांच अधिकारी बदल दिया है। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि काशिमिरा क्षेत्र की पूर्व बीजेपी नगरसेविका पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। यह पूर्व नगरसेविका अपनी गिरफ्तारी को टालने के लिए बीजेपी के बडे.नेताओं से पुलिस पर दबाव बनाने का प्रयास भी कर रही है। पुलिस नगरसेविका, उसके पति और अन्य रिश्तेदारों को जांच के लिए पुलिस स्टेशन बुला चुकी है। सूत्रों का कहना है कि नगरसेविका ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधा दर्जन से अधिक घर हासिल किए हैं।

वूमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ भाईंदर में

भायंदर: महिला क्रिकेट खेल भी धीरे धीरे पुरे विश्व के खेल जगत में अपनी पहचान और पैठ बना रहा है। वर्तमान में, महिला क्रिकेट के कई प्रमुख आयोजन और अंतरराष्ट्रीय मुकाबले होते हैं, जिनमें महिला खिलाड़ियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। उपरोक्त विचार भायंदर (पश्चिम) के कस्तूरी टर्फ में अग्रवाल योद्धा ग्रुप व युथ सोशल वेलफेयर एसोसिएशन(युथ फोरम) द्वारा आयोजित वूमेंस क्रिकेट टूर्नामेंट में विधायक गीता जैन ने व्यक्त किये। उन्होंने इस आयोजन के लिए संस्थाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट की लोकप्रियता और सफलता की बढ़ती दर से दिखता है कि यह खेल धीरे-धीरे विश्व में अपनी पहचान बना रहा है और लोगों के दिलों में जगह बना रहा है। महिला क्रिकेट सफलता ने महिलाओं को खेल क्षेत्र में

एक मजबूत पहचान दी है। यह सफलता महिलाओं को खेल के अवसरों और समानता के माध्यम से आगे बढ़ने का एक प्रेरणास्त्रोत भी बना रही है। टूर्नामेंट का उद्घाटन इंडियन व्हील चेयर क्रिकेट टीम के कप्तान रमेश सरतपे, शाहिद अंसारी व दिव्यांग क्रिकेटर गणेश पिसाल ने किया। पुरस्कार मेघा इवेंट की मेघा जैन व शुभ जैन ने दिए। टूर्नामेंट में १२ टीमों ने हिस्सा लिया जिसमे लिआ ज्वेल्स विजेता व रनर अप मुरारका रॉयल्स रही। बेस्ट बैट्समेन दीपाली शाह, वीमेन ऑफ सीरीज रिद्धि बागरी, बेस्ट बॉलर नीलम संगोई, बेस्ट फील्डर पूनम, बेस्ट कप्तान रीचा अग्रवाल, डॉ खुशबू भगेरिया, आयुषी भूतड़ा, हेतल शाह, पंक्ति शाह थे। राहुल पैंथर्स को फ्लेयर प्ले पुरस्कार दिया गया। अन्य टीमो के कप्तान में विनीता राठी, हरदिता घनघर, आस्था मित्तल, अचला अग्रवाल, पंक्ति शाह, पूनम जैन, स्वप्निल जैन, डॉ स्वीटी खेतान, का समावेश है। टूर्नामेंट में फोरम के सलाहकार रमेश बंबोरी, कोषाध्यक्ष सूरज नांदोला, पूर्व नगरसेविका रीटा शाह, पूर्व नगरसेवक डॉ सुशील अग्रवाल, डी पी भूतड़ा, चंद्रप्रभा जैन, रवि बी जैन, उमेश जैन, सतीश बंका आदि उपस्थित थे। टर्फ के प्रायोजक मोहनलाल जैन(दांताराई) व श्यामा अग्रवाल, बॉल भरत पोद्दार व ट्रॉफी मेघा इवेंट थे। इसे सफल बनाने में शरद बुबना, दीपक जैन, राहुल बुबना, चंचल गोयल, प्रीति शाह आदि ने मेहनत की। संचालन शुभी अग्रवाल व पार्थ शाह ने किया। आयोजक में राजेश शाह, महेश जालान, मनीश सिंघल, नकुल अग्रवाल, धीरज जैन, पीयूष आदि थे।

महिला ने अपने दोनों बच्चों की हत्या कर खुद खुदकुशी कर ली

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा रोड के नया नगर में तकरीबन दो साल पहले एक घर से मिले एक महिला और उसके दो बच्चों के शव की गुत्थी सुलझ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला है कि महिला ने अपने दोनों बच्चों की हत्या कर खुद खुदकुशी कर ली थी। पुलिस ने मृत महिला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। नरेंद्र पार्क की जूही बिल्डिंग के फ्लैट से ७ सितंबर २०२१ को ४७ वर्षीय महिला नसरीन वाघू और उसके बच्चे सदनाज (२०) और हर्ष (१३) मृत मिले थे। मौके पर नींद की गोली के चार खाली स्ट्रिप मिले थे। जिससे प्रथम दृष्टया इसे खुदकुशी का मामला माना गया था। पुलिस ने एडीआर दर्ज कर जांच शुरु की थी। हाल ही में पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिली जिसके अनुसार, नसरीन ने पहले अपने दोनों बच्चों का गला दबाया और फिर कुछ गोलियां खाकर खुदकुशी कर ली। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को नसरीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। वारदात की वजह का अभी खुलासा नहीं हो पाया है और जांच चल रही है। महिला का वारदात से १ साल पहले तलाक हुआ था। दोनों बच्चे दिमागी रूप से कमजोर बताए गए थे।

कचरे ने किया पदयात्रियों का बुरा हाल! घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर अवैध पार्किंग ने बढ़ाई परेशानी

मुंबई : घाटकोपर से अंधेरी को जोड़नेवाली मुख्य सड़क पर हमेशा ट्रैफिक जाम लगा रहता है। गाड़ियां तो इस जाम में फंसी ही रहती हैं लेकिन साथ ही पैदल चलनेवाले लोगों को भी रास्ता नहीं मिल पाता है। साकीनाका के तिलक नगर के पास इस मुख्य सड़क पर कचरे का अंबार लगा हुआ है, जिस वजह से यहां जाम लगा रहता है। साकीनाका के बज्मे इंसानियत वेल्फेयर एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान सिद्दीकी ने बताया कि घाटकोपर-अंधेरी लिंक रोड पर तिलक नगर के ठीक सामने कचरे के ढेर के कारण राहगीरों, स्कूल-कॉलेज जानेवाले विद्यार्थियों और वरिष्ट नागरिकों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फुटपाथ गायब हो चुका है, भविष्य में कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। इन शिकायतों को लेकर एसोसिएशन की ओर से जल्द ही मनपा आयुक्त और ट्रैफिक विभाग को पत्र लिखा जानेवाला है। वैसे यह रोज की बात हो चुकी है। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन नाममात्र की कार्रवाई करती है और उसके बाद स्थिति जैसे थे वाली हो जाती है, ऐसा आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है। अंधेरी-घाटकोपर लिंक रोड पर होने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात दिलाने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के नेता व विधायक आदित्य ठाकरे ने अपने मंत्रित्व काल में ट्रैफिक मैनेजमेंट की नींव रखी थी। इसके तहत चौड़ी सड़क, चौड़ा फुटपाथ, पार्किंग मैनेजमेंट और ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की परियोजना थी। २७ फरवरी २०२२ को ट्वीट के माध्यम से घोषणा कर इस कार्य की शुरुआत भी की गई।

लापता

नाम – अशोक वोरीलाल जैन
उम्र– ६२
ग्राम–बलराई
वर्तमान पता – मीरा रोड
मीरा रोड से १ जुलाई से लापता, यदि आपके पास कोई जानकारी हो तो कृपया ९८६७९४५९२९ पर संपर्क करें

बरसात के पानी से डूब गया बांध, इलाज न मिलने से हुई मासूम की मौत!

पालघर : जिले के ग्रामीण इलाकों की सूरत अब तक नहीं बदल सकी है। खस्ताहाल सड़कों की मार गांव में रहने वाले आदिवासियों पर पड़ती है। कई ऐसे गांव हैं, जहां बारिश के कारण सड़क के टूट जाने और नदियों-नालों में पानी बढ़ने से महिलाओं को कई दिनों तक प्रसव पीड़ा झेलनी पड़ती है। जिले में जारी मूसलाधार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। इसके कारण कई जगहों पर यातायात मार्ग भी अवरुद्ध हो गए हैं। परिणामस्वरूप जिले के विक्रमगढ़ इलाके में रहने वाली २ महीने की बच्ची की इलाज के अभाव में मौत हो गई। बता दें कि बरसात के दौरान नदी का पानी बढ़ने से गांव के बाहर बना तटबंध पानी में डूब गया है, जिससे अस्पताल तक जाने वाला मार्ग बंद हो गया। इस वजह से बच्ची का समय पर इलाज नहीं हो सका और उसे अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। विक्रमगढ़ के मालवाड़ा म्हसेपाड़ा की रहने वाली लावण्या चव्हाण दो दिन पहले बुखार के कारण अचानक बीमार हुई। उसके परिवार वालों ने उसे इलाज के लिए मालवाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराने का पैंसला किया। लेकिन मूसलाधार बरसात के कारण म्हसेपाड़ा गांव के पास से बह रही गारगाई और पिंजाल नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया। घर वाले बच्ची को लेकर

किसी तरह से गांव के बाहर निकले, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और बच्ची की मौत हो गई। हालांकि, बच्ची के मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि यहां के स्थानीय लोग म्हसेपाड़ा को जोड़ने वाली नदी पर एक पुल बनाने की मांग कई वर्षों से कर रहे हैं। उनकी मांग के बावजूद पुल नहीं बनने के कारण लोग आज भी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन इस मांग को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे उन्हें हर रोज मौत से लड़ना पड़ रहा है। लोगों ने बच्ची की मौत पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि एक तरफ सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ बरसात में गांव का संपर्क टूट जाने के कारण एक मासूम बच्ची की इलाज के अभाव में मौत हो जाती है।

माथेरान में मिली सिर कटी लाश बंदरों ने सुलझाई गुत्थी!

मुंबई : हिल स्टेशन की हिला देनेवाली वारदात मुंबई से सटे रायगड जिले का माथेरान इलाका सैलानियों के लिए काफी फेमस है। यहां वीकेंड पर मुंबई और आस-पास के लोग घूमने आते हैं। इस माथेरान के बाहरी इलाके में बसे इंदिरा नगर के साई लॉज में १२ दिसंबर २०२१ को दिल दहलाने वाली वारदात हुई थी। लॉज में बेड के नीचे एक ऐसी लाश मिला थी, जिसे देख सबके रोंगटे खड़े हो गए। इस वारदात का आरोपी अपनी एक गलती की वजह से पकड़ा गया। दरअसल, कातिल द्वारा फेंका गया एक बैग चतुर बंदरों के पास पहुंच गया और उन बंदरों की वजह से कातिल पुलिस के चंगुल में फंस गया। बंदरों की वजह से यह केस सॉल्व हो सका है। कहीं न कहीं बंदरों के जरिए इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा हो सका है। बता दें कि पिछले दो वर्षों से इस हत्या का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जल्द ही कोर्ट इस मामले में सुनवाई कर सकती है। दरअसल, १२ दिसंबर २०२१ के दिन हिल स्टेशन माथेरान के एक कॉटेज के बाथरूम में एक महिला की सिर कटी लाश मिली थी। महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। इसकी सूचना कॉटेज के मालिक केतन रामणे ने पुलिस को दी। घटना की सूचना पाने के बाद सहायक पुलिस निरीक्षक संजय बांगड़ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो महिला के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था

और सिर गायब था। यहां तक कि महिला की कलाई पर बने टैटू को भी किसी नुकीली चीज से छील दिया गया था, ताकि उसकी पहचान न हो सके। हत्यारे ने ऐसा कोई सामान नहीं छोड़ा था, जिससे पुलिस को उसकी पहचान करने में मदद मिल सके। इतना ही नहीं सीसीटीवी वैंमरा नहीं लगा था। जब गेस्ट रजिस्टर की जांच की गई तो उसमें अमजद खान और रूबीना बेगम नामक दंपति का नाम मिला। दंपति ने शनिवार को चेक इन किया था, लेकिन उन लोगों ने किसी तरह का पेपर जमा नहीं किया था। इससे पुलिस को शक हुआ कि दंपति ने फर्जी नाम से कॉटेज लिया था। इसके बाद दस पुलिस टीमों को कॉटेज के पास २५० फीट की घाटी में महिला के सिर और कपड़ों को खोजने का काम सौंपा गया। बांगड़ ने अपनी टीम को ऐसे सामानों को भी तलाश करने का आदेश दिया, जो हाल ही में हटाए गए हैं। माथेरान में बंदर अक्सर पर्यटकों से बैग और सामान छीन लेते हैं और उन्हें पूरे हिल स्टेशन में इधर-उधर फेंक देते हैं। पुलिस ने बंदरों द्वारा पैंलाए गए सामानों को इक्ट्ठा करके चेक किया तो उन्हें एक महिला का बैग मिला। उसमें कॉस्मेटिक का सामान था। उसी दौरान बांगड़ का ध्यान उस बैग पर गया, जिस पर गोरेगांव मेडिकल स्टोर का नाम छपा हुआ था। इसके बाद एक पुलिस टीम को इस मेडिकल स्टोर और आस-पास के पुलिस स्टेशनों का पता लगाने के लिए कहा गया। मेडिकल स्टोर की पहचान होने के बाद माथेरान पुलिस ने आस-पास के पुलिस स्टेशनों में पिछले दो दिनों में किसी लापता व्यक्ति के बारे में दर्ज शिकायत जानकारी ली। पुलिस को पता चला कि एक परिवार ने बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में एक युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बीच पुलिस ने घाटी से कुछ कपड़े बरामद किए। उन्होंने सीसीटीवी में देखा कि एक जोड़ा दस्तूरी नाका से पैदल चलकर हिल स्टेशन माथेरान की तरफ जा रहा है। चूंकि जोड़े ने मास्क पहन रखा था, इसलिए उनके चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे। गोरेगांव परिवार ने महिला की पहचान २६ साल की पूनम पाल के रूप में की, जो नर्स बनने की ट्रेनिंग ले रही थी और दो दिन से घर नहीं आई थी। उसके परिवार ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी मई २०२१ में ३० साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर रामसिलोचन पाल से हुई थी। दोनों परिवार के कहने पर दूर-दूर रह रहे थे। इसके बाद पुलिस ने बेलापुर स्थित एक कंपनी में काम करने वाले पनवेल के खांदा कॉलोनी के रहने वाले रामसिलोचन से पूछताछ की। उसने पुलिस के सभी सवालों का जवाब दिया। पुलिस उसे छोड़ने ही वाली थी कि तभी उन्होंने देखा कि उसके खत (साइड की दाढ़ी) उस व्यक्ति से मैच हो रहे थे, जो सीसीटीवी फुटेज में महिला के साथ व्यक्ति नजर आ रहा था। इसके बाद पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की तो रामसिलोचन ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने बताया कि रामसिलोचन को शक था कि पूनम वफादार नहीं है। वो अक्सर किसी से फोन पर बात करती रहती थी। इस बात से नाराज आरोपी माथेरान गया और बिना सीसीटीवी वैंमरे वाला कॉटेज किराए पर लिया। पुलिस ने कहा कि ११ दिसंबर, २०२१ को रामसिलोचन ने पूनम की हत्या कर उसका सिर काटकर पास की घाटी में फेंका तथा सबूत मिटाने के लिए उसने महिला के सामान को अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिया। हालांकि, वह पकड़ा गया। लगभग दो वर्षों से आरोपी जेल मे बंद है।

महाराष्ट्र पर चिकनगुनिया का साया! १८८ दिन में सामने आए २९७ मामले, मुंबई में २३ फीसदी यानी ६९ मामले दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र में स्वास्थ्य विभाग का कामकाज रामभरोसे चल रहा है। बीते कई दिनों से मुंबई समेत महाराष्ट्र के लगभग सभी जिलों में सामान्य से अति मूसलाधार बारिश भी हो रही है। इस बार भले ही बारिश देरी से हुई है, लेकिन यह अपने साथ मौसमी बीमारियों को भी लाई है। इन्हीं में से एक चिकनगुनिया भी है, जिसके बीते १८८ दिनों में २९७ मामले सामने आए हैं। इसमें अकेले मुंबई शहर में करीब २३ फीसदी यानी ६९ मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई मनपा समेत राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग भी दम भर रहा है कि मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए किए

गए तमाम उपायों के चलते पूरी तरह से स्थिति कंट्रोल में है, लेकिन प्रत्यक्ष स्थिति ठीक इसके विपरीत दिखाई दे रही है। जब वेक्टर जनित बीमारियों में वृद्धि को देखते हुए वर्तमान में राज्यभर के सभी जिलों में निगरानी और स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. अनीता मैथ्यू के अनुसार, मानसून का मौसम शुरुआती चरण में है। ऐसे में अभी से ही वेक्टर और जलजनित बीमारियों की शिकायत के साथ मरीज इलाज कराने के लिए अस्पताल में पहुंच रहे हैं। अधिकांश रोगियों में खांसी, सर्दी और बुखार जैसे वायरल संक्रमण के लक्षण देखे जा रहे हैं। इसमें डेंगू और मलेरिया के भी मामले हैं।

मनपा ने दर्शाई ड्रोन लाइफ गार्ड लाने की तैयारी, डूबते को बचाएंगे ड्रोन!

मुंबई : बांद्रा बैंड स्टैंड के पास घूमने गई एक ३० वर्षीया महिला के समुद्र में बहने की घटना ने शहर को झकझोर कर रख दिया है। महानगर मुंबई के समुद्र तटों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंताएं बढ़ गई हैं। सुमद्र तटों की सुरक्षा के लिए मनपा की ओर से किए जा रहे इंतजाम पर भी सवाल उठने लगे हैं। रोजाना मुंबई में गिरगांव, जुहू, वर्सोवा, मालाड के पास समुद्र

तटों पर लाखों लोग रोजाना घूमने जाते हैं। त्योहारों में तो यह संख्या १० गुना बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों की सुरक्षा के लिए मनपा पर भी दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में समुद्र तटों की सुरक्षा को चौकस बनाने के लिए ड्रोन प्रणाली को समुद्र तटों पर सुरक्षा सेवा से जोड़ने की पहल की गई है। मनपा जुहू बीच पर डूबने की घटनाओं को रोकने के लिए एक रिमोट से संचालित ड्रोन लाइफगार्ड का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य समुद्र में दो किलोमीटर दूर तक संकट में फंसे लोगों को बचाना है। यह मशीन बचाव कार्यों में सहायक उपकरण के रूप में काम करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, ३० सेकंड में ६० मीटर की दूरी तय कर सकती है। इसके लिए मनपा के वेस्ट वॉर्ड के सहायक आयुक्त पृथ्वीराज चौहान ने इसके अलावा अन्य सुरक्षा उपकरणों का जायजा भी लिया। मनपा अधिकारी के अनुसार, यह ड्रोन डूबने से रोकने के लिए पीड़ितों को बचाव सामग्री और रस्सियां प्रदान करेगा। मात्र कुछ सेकंड से ड्रोन में पीड़ित का पता लगाया जा सकेगा। विभाग के एक वरिष्ट अधिकारी ने कहा कि हमने ड्रोन का डेमो लिया है। जुहू चौपाटी सात से आठ किलोमीटर लंबा है, यहां मैनपावर बढ़ाया गया है। एक जेटी और वॉच टावर को सेवा में जोड़ने की योजना है।

बेरहम हुए बैंक, मुसीबत में ऑटोरिक्शा चालक! मांगी जा रही है कोविड काल के बकाए लोन की किस्त

मुंबई : कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण हजारों ऑटोरिक्शा चालक बैंक लोन की किस्त भरने में असमर्थ हो गए थे। उस वक्त सरकार के वित्त विभाग ने एक गाइडलाइन देकर इन ऑटो रिक्शाचालकों से जबरन लोन वसूल करने से मना कर दिया था, लेकिन अब कुछ बैंक दोबारा कोविड काल का बकाया रकम वसूलने में लग गई है। ऐसा आरोप लगाते हुए ऑटो रिक्शाचालक बैंकों के खिलाफ आंदोलन करने वाले हैं। महाराष्ट्र लोकाधिकार समिति के नेतृत्व में पीड़ित ऑटोरिक्शा चालक सड़क पर उतरने जा रहे हैं। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष एड. प्रसाद करंदीकर ने दी है। ज्ञात हो कि मुंबई, ठाणे, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, कल्याण, नई मुंबई जैसे इलाकों में रहने वाले लगभग १० से १५ हजार ऑटोरिक्शा चालकों ने जब नया परमिट चालू हुआ था, उस समय विभिन्न बैंक की अलग-अलग ब्रांचों से लोन लेकर ऑटोरिक्शा खरीदा था। उसके लोन का पैसा बैंक में ऑटोरिक्शा चालक भरते भी थे, लेकिन लॉकडाउन २०२० एवं २१ के दौरान ऑटो रिक्शा बंद होने के कारण बहुत से लोग अपने ऑटोरिक्शा की किस्त बैंक में नहीं जमा कर पाए थे। किस्त वसूलने के लिए बैंकों ने सख्त रुख अख्तियार किया था, जिस पर हो-हल्ला मचने के बाद केंद्र सरकार ने सभी बैंकों को आदेश जारी किया था कि वह किसी भी लोन धारक के साथ जबरदस्ती नहीं करे। इसके बावजूद कुछ सहकारी बैंकों ने ऑटोरिक्शा चालकों के हजारों खातों से एडजस्टमेंट के नाम पर प्रति खाता ५ हजार से ७ हजार रुपए तक वसूल लिए, ऐसी जानकारी एड. प्रसाद करंदीकर ने दी। उन्होंने कहा कि अब दोबारा बैंक की ओर से कोविड काल का बकाया लोन किस्त मांगने की शुरुआत हो गई है। इसी के खिलाफ पीड़ित ऑटोरिक्शा चालक १८ जुलाई को कांदिवली-पश्चिम के महावीर नगर में आंदोलन प्रदर्शन कर बैंकों एवं राज्य सरकार का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं। ऐसी जानकारी महाराष्ट्र लोकाधिकार समिति के अध्यक्ष एड. प्रसाद करंदीकर ने दी है।

पालघर में बिजली गिरी! बेहिसाब बिल से लोगों को लगा करंट, २० से ३० गुना बढ़कर आई है भुगतान राशि

पालघर : महंगाई की चौतरफा मार झेल रही आम जनता अब बढ़े हुए बिजली बिल के झटके से कराह रही है। जिले भर में भारी भरकम बिजली बिल से लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि पिछले २ महीनों से बिजली बिल बेहिसाब आ रहा है। बिजली विभाग की मनमानी चल रही है, बढ़े बिजली बिल की शिकायत सुनने को कोई तैयार नहीं। पूछने पर जवाब मिलता है कि जो बिल आया वो सही है, उसे समय पर भरें वरना कनेक्शन काटा जाएगा। बोईसर की उपभोक्ता सविता घरत ने बताया कि मेरे बंद पड़े घर का मेन स्विच तक बंद है, फिर भी २२०० रुपए बिल आया, जिसको लेकर शिकायत भी की, पर कोई सुनवाई नहीं हुई, आखिरकार बिल भरना पड़ा। उपभोक्ता रणजीत सिंह जिनका हर महीने एवरेज बिजली बिल ४०० से ७०० रुपए तक आता था। लेकिन पिछला बिल १२ हजार रुपए आया। वहीं निखिल चौरसिया के घर का बिल ९०० से ज्यादा नहीं आता था अब २ हजार का बिल थमा दिया गया। जितेंद्र यादव के बिजली का बिल ३ हजार से ३५ सौ आता था, उसकी जगह अब सीधा दोगुना ७ हजार का बिजली बिल आ गया। वहीं एक अन्य उपभोक्ता ने बताया कि जहां मेरा हर महीने २ हजार से २५

सौ बिल आता था उसकी जगह पिछले कुछ महीनों से ४ से ५ हजार बिल आ रहा है। ऑनलाइन बिल भरने वाले एक दुकानदार ने बताया कि अबकी बार लोगों के बिल भरे तो कोई ऐसा उपभोक्ता नहीं आया कि जिसका बिजली बिल एक हजार के नीचे का हो, इस बार २ हजार से १२ हजार की राशि के बिल थे। महावितरण के अधिकारी नरेंद्र संगेपु ने बताया कि जून महीने से करीब ३० प्रतिशत बिजली बिल बढ़ गया है। वैसे यह बढ़ोत्तरी १ अप्रैल से ही लागू हो गयी थी, इसलिए उसका डिफरेंस मिलाकर इस बार का बिल बनाया गया है। संगेपु का कहना है कि यदि किसी को कुछ समस्या है तो महावितरण कार्यालय में आकर संपर्क कर सकता है। सरकार के बिजली बिल बढ़ाने के निर्णय से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सरकार के इस पैंसले के विरोध में लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। बढ़े हुए बिजली बिलों का लोग विरोध कर रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिजली उपभोक्ताओं के एक संगठन ने दावा किया कि महावितरण कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ रेट बढ़ाने की मांग सरकार से की। प्रदेश में महावितरण कंपनी द्वारा बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी की गई, जिससे करीब २.५५ रुपये प्रति यूनिट कीमत की वृद्धि हुई है। यह पिछले २३ वर्षों में सबसे बड़ी वृद्धि है। इससे आम जनता, बिजली उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे व्यवसायियों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया। सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए। महावितरण ने अगले दो साल में ६७,६४४ करोड़ रुपए घाटे की भरपाई की मांग की है। कुल दो वर्षों को ध्यान में रखते हुए इस मांग का मतलब औसतन २.५५ रुपए प्रति यूनिट रुपए है। सूत्र बताते हैं कि इससे डिमांड साइज, पावर साइज और ट्रांसमिशन साइज तीनों आयामों में भारी बढ़ोतरी हुई है। विद्युत नियामक आयोग की स्थापना के २३ साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है। उपभोक्ता संगठनों का कहना है, कि विद्युत अपीलीय प्राधिकरण, नई दिल्ली के आदेशों की अवहेलना करते हुए महावितरण द्वारा बिजली बिल बढ़ाने की मांग की गई। जबकि किसी भी परिस्थिति में बिजली दर में १० परतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि बिजली की कीमतों में इतनी वृद्धि अनुचित है। जब उपभोक्ता बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचते हैं तो अधिकारी ये कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि गर्मियों के दौरान बिजली की खपत में वृद्धि, विशेष रूप से एयर कंडीशनर, एयर कूलर, रेप्रिंजरेटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से बिजली की खपत में अतिरिक्त वृद्धि से बिजली की दरें बढ़ जाती हैं, क्योंकि उपयोग विशिष्ठ सीमाओं को पार कर जाता है।

विरार में व्यापारी पर तेजाब से हमला, पुलिस ने ३ आरोपियों को किया गिरफ्तार

वसई। अपराध शाखा क्रमांक ३, विरार पुलिस ने एक व्यापारी पर तेजाब से हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मस्तान उस्मान शेख, संकेत परमेश्वर शर्मा और जयेश राकेश तरे है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ८ जुलाई को विरार पूर्व के गोपचरपाड़ा में रहने वाले एलईडी के व्यापारी मोबिन असमत शेख रात १०.३० बजे अपनी एक्टिवा से जा रहे थे। अभी दो अज्ञात लोगों ने पीछे से उनके ऊपर प्लास्टिक में भरा तेजाब फेंका, जिसके चलते मोबिन शेख घायल हो गए। शेख की शिकायत के बाद विरार पुलिस ने २ अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। पुलिस द्वारा आरोपियों से की गई पूछताछ से पता चला कि मस्तान उस्मान शेख ने वैवाहिक विवाद के चलते संकेत और जयेश को ४ लाख रुपए की सुपारी देकर व्यापारी मोबिन पर तेजाब से हमला कराया। पुलिस को ४८ घंटे में मिली सफलता ,पुलिस उपायुक्त अविनाश अंबुरे और सहायक पुलिस आयुक्त अमोल मांडये मार्गदर्शन तथा अपराध शाखा क्रमांक ३ के पुलिस निरीक्षक प्रमोद वडाख के निर्देशन में पुलिस उपनिरीक्षक शिवाजी खाडे, उमेश भागवत, अशोक पाटिल, मनोज चव्हाण तथा अन्य पुलिसकर्मियों की सक्रियता के चलते मिली।

मुर्दो को सुविधा नही तो क्या जिंदों को क्या सुविधा देगी सरकार

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड : भायंदर पश्चिम स्थित पंडित भीमसेन जोशी अस्पताल में मरीज जहां बेहाल है वहीं इस अस्पताल के शवगृह की वातानुकूलित शवपेटियां मुर्दों को परेशान कर रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार इस अस्पताल के शवगृह में कुल २१ वातानुकूलित शव पेटियां है जिसमे से १२ खराब अवस्था में हैं। गौरतलब है कि इस अस्पताल में एक ओर मरीज जहां डॉक्टर नर्स की कमी की वजह से त्रस्त हैं, वहीं शव पेटियों के खराब होने की वजह शवों को रखने में दिक्कत आ रही है। सूत्रों की माने तो कई बार मृत व्यक्ति के परिजनों और शवगृह में कार्यरत कर्मचारियों में शव रखने को लेकर बहस तक हो जाती है। शहर की बढ़ती आबादी के मुताबिक वातानुकूलित शवपेटियों की संख्या बढाने की आवश्यकता है शहर में सड़क हादसों में इजाफा देखा गया है कई हादसों में मौते हुई है शव खराब ना हो इसके लिए उन्हें वातानुकूलित पेटियों में रखा जाता है। बता दें कि इस अस्पताल का संचालन राज्य शासन कर रहा है। सांसद, विधायक शहर को हजारों करोड़ का लॉलीपॉप बांट रहे हैं पर शहर की मूलभूत समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। पूर्व नगरसेवक राजीव मेहरा ने राज्य शासन को आडे़ हाथ लेते हुए कहा की मुर्दे मांग नहीं करते नाही चिल्लाते हैं, इसलिए उनकी सुने कौन। सरकार लोकलुभावने वादे बांट रही है जबकि शहर में कई समस्याएं है जिनको नजरअंदाज किया जा रहा है। मुर्दे हड़ताल सड़क जाम तो करेंगे नहीं ना ही सरकार बनाने में अपना वोट दे सकते है, जो सरकार जिंदो को सुविधाएं नहीं दे पा रही है वो मुर्दों को क्या सुविधा देगी। ऐसे में देखने लायक होगा की राज्य शासन इस मामले में कब संज्ञान लेता है।

जनता को मिलेगी सुविधा, एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माणकार्य होने से

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : महानगर मुंबई से मीरा–भायंदर, वसई–विरार व सूरत जाने के लिए रोजाना लाखों वाहनों की आवाजाही दहिसर टोलनाके से होती है। नतीजतन दहिसर टोलनाके पर भारी ट्रैफिक जाम होती है। कभी–कभी कई घंटे यहां ट्रैफिक में चले जाते हैं, जिसे देखते हुए शिवसेना नेता व युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे द्वारा दहिसर–पश्चिम से भायंदर–पश्चिम को जोड़ने के लिए एलिवेटेड लिंक रोड योजना लाई गई थी। इस योजना को अब देर से ही सही रफ्तार पिछले एक वर्ष से लटकी इस परियोजना के निर्माणकार्य के लिए तीन कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इस प्रोजेक्ट के बनने के बाद जिस सफर को पूरा करने में ४५ मिनट से एक घंटे का समय लगता है, उसे महज १० मिनट में पूरा किया जा सकेगा। यह प्रोजेक्ट काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुंबई–दहिसर से मीरा–भायंदर के बीच बनने वाले एलिवेटेड लिंक रोड को बनाने के लिए एल एंड टी, एनसीसी, एफकॉन इन्फ्रॉस्ट्रक्चर कंपनी ने रुचि दिखाई है। इन्हीं तीनों में से किसी एक को टेंडर दिया जाएगा। इससे पहले भी इस कार्य को करने के लिए मनपा ने तीन बार टेंडर निकाला था, लेकिन किसी कंपनी ने रुचि नहीं दिखाई थी। मनपा उपायुक्त उल्हास महाले ने कहा कि इससे मुंबई और मीरा–भायंदर को जोड़ने में काफी मदद मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के बनने से लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और ईंधन की भी बचत होगी। दहिसर से मीरा–भायंदर के बीच बनने वाला एलिवेटेड लिंक रोड प्रमुख है। इस रोड के बनने से मुंबई से मीरा–भायंदर, वसई–विरार, गुजरात, राजस्थान और दिल्ली की ओर जाने में लोगों को ट्रैफिक की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट पर ३,१८६ करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। हालांकि, फाइनल लागत टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही तय होगी। मुंबई और एमएमआर के बीच सड़क सेवा बेहतर करने के लिए मनपा ने कई परियोजनाओं को शुरू किया है। इस एलिवेटेड लिंक रोड के बनने से नरीमन पॉइट से सीधे मीरा–भायंदर जुड़ जाएगा। इस लिंक रोड के बनने से दहिसर मीरा–भायंदर के बीच दूरी कम होने के साथ ही मुंबई से कनेक्टिविटी भी बट्रैफिक समस्या दूर होने से यात्रियों को समय के साथ ईंधन की भी बचत होगी। नरीमन पॉइंट से वर्ली–सी–लिंक तक कोस्टल रोड, वहां से सी–लिंक के जरिए बांद्रा, फिर बांद्रा से वर्सोवा से कांदिवली होते हुए दहिसर तक रोड का निर्माण होगा।

भायंदर में बीजेपी का संवाद व टिफिन बैठक कार्यक्रम संपन्न

पार्टी फर्स्ट का मिशन के साथ काम करें पदाधिकारी और कार्यकर्ता - एड व्यास

भायंदर। मोदी @९ महाजनसम्पर्क अभियान के तहत रविवार १६ जुलाई को भायंदर पश्चिम स्थित रीना मेहता कॉलेज में मीरा भायंदर शहर जिला भाजपा द्वारा संवाद व टिफिन बैठक आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास के नेतृव मे इस बैठक मे बड़ी संख्या मे पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने घरों से शाकाहारी नास्ते के साथ पहुचे और सबने एक साथ बैठकर इसका आनंद लिया और एक दूसरे से चर्चा की। इस अनूठे कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप मे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे , पूर्व सांसद संजीव नाईक ,(१४६) विधानसभा लोकसभा प्रवास संयोजक मनोहर डुमरे ,भाजपा जिला अध्यक्ष एड रवि व्यास,विधायक गीता जैन एवं अन्य मान्यवर उपस्थित रहें। प्रमुख अतिथि भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने कार्यकर्ताओं से संवाद साधते हुए कहा कि देश मे वैसे तो २७०० पार्टियों है ,लेकिन भाजपा उन सबसे अलग इस तरह का आयोजन कर अपने कार्यकर्ता को परिवार के सदस्य के तौर पर मुख्यधारा मे शामिल करना चाहती रहीं है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन मे ऐसा ऐतिहासिक उपकर्म शुरू किया गया, जो अब तक किसी राजनैतिक पार्टी ने नहीं किया। वहीं उपस्थित लोगों से चर्चा करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष एड. रवि व्यास ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास, आत्मनिर्भरता और देश का सम्मान बढाने की दिशा में समर्पित भावना से काम कर रहे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हम सभी को संगठित रहकर पार्टी की विचारधारा एवं लोकहित कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। हम सबके लिए पार्टी फर्स्ट का मिशन होना चाहिए ।

मनसे के हस्ताक्षर अभियान में जनता का मिला भारी प्रतिसाद

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : सांस्कृतिक विरासत को संजोने वाले महाराष्ट्र में पिछले कुछ समय से चल रही गंदी राजनीति के कारण राज्य की बदनामी हो रही है । इस बात का क्रोध आम जनमानस के दिलों में भड़क रही है। इसे अपने हस्ताक्षर के माध्यम से व्यक्त करने के लिए मीरा भायंदर में मनसे ने शनिवार से एक हस्ताक्षर क्रोध की मुहिम शुरू की है। जिसे युवकों से लेकर बुजुर्गों तक के लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिलने का दावा मनसे के शहर अध्यक्ष हेमंत सावंत ने की है। महाराष्ट्र राज्य संतो की भूमि के रूप में प्रसिद्ध है। विभिन्न ऐतिहासिक, साहित्यिक कला के विरासत के कारण यह राज्य सांस्कृतिक राज्य के रूप में अपनी पहचान रखता है। इस सम्मान पर पिछले कुछ वर्षों से राज्य में चल रही गंदी राजनीति के कारण कालिख पुत रही है। अजित पवार द्वारा सुबह शपथ विधि से लेकर ईडी, सीबीआई की जांच के जाल से विरोधियों पर अंकुश लगाने की भाजपा की कूटनीति, बाला साहब ठाकरे द्वारा शुरू की गई शिवसेना व शरद पवार द्वारा स्थापित की गई राष्ट्रवादी कांग्रेस को घर के भेदियो ने सुरंग लगाकर तोड़फोड़ करने जैसी घटना से राज्य की राजनीति गंदी होने का आरोप सावंत ने लगाया है। आम जनमानस में इन सब बातों से क्रोध की जो ज्वाला भड़क रही है। उसे अपने हस्ताक्षर के माध्यम से व्यक्त करने का आह्वान मनसे प्रमुख राज ठाकरे तथा मनसे युवा प्रमुख अमित ठाकरे ने किया है। उनके आदेश पर भायंदर पूर्व में शंकर नारायण महाविद्यालय परिसर में मनसे ने एक हस्ताक्षर क्रोध की मुहिम शुरू की है।

मलिन बस्तियों में स्वच्छता अभियान करेंगे आयुक्त

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : मीरा भायंदर नगर निगम के आयुक्त एवं प्रशासक दिलीप ढोले द्वारा मिशन रुद्र (स्लम एरिया के कायाकल्प के लिए रैपिड अर्बन ड्राइव) अभियान के तहत लोगो का अनावरण किया गया और दिलीप ढोले की अवधारणा और

स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ अभियान के तहत गणेश देवल नगर स्लम से मिशन रुद्र का शुभारंभ किया गया। मिशन रुद्र आयुक्त की अनूठी संकल्पना के अनुसार शहर के स्लम एरिया में स्वच्छता अभियान चलाकर जन जागरूकता, स्वच्छता का महत्व, रंग–रोगन आदि कार्य कराये जायेंगे। कुल मिलाकर इस मिशन रूद्र के माध्यम से शहर की मलिन बस्तियों में स्वच्छता के माध्यम से कायापलट किया जायेगा इस मिशन रूद्र का अनावरण और लोकार्पण गणेश देवल नगर से किया गया। उपस्थित पूर्व नगरसेवको ने इस पहल का स्वागत किया है. साथ ही उनका मानना है कि इस पहल से शहर में स्वच्छता मे इजाफा होगा. इस मौके पर उपायुक्त रवि पवार. जनसंपर्क अधिकारी राज घरत. जितेन्द्र । कांबले. सहायक आयुक्त कविता बोरकर. पूर्व नगरसेवक रीटा शाह. पंकज पांडे. अशोक तिवारी. सफाई निरीक्षक. कर्मचारी. स्कूल विद्यार्थी और भारी संख्या में स्थानिक लोग उपस्थित थे

मीरा भायंदर में सीसीटीवी कैमरे की हालत खस्ता

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मीरा भायंदर शहर में लगाए गए अधिकांश सीसीटीवी कैमरे (तीसरी आंख) के बंद होने से पुलिस वालों की परेशानियां बढ़ गई है। इसके चलते पुलिस को जांच की तह में जाने और अपराधियों के गिरेबान तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। यही कारण है कि पुलिस ने मीरा भायंदर महानगरपालिका को पत्र लिखकर बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को जल्द से जल्द चालू करने की अपील की है। गृह विभाग द्वारा निर्देश दिया गया है कि मीरा भायंदर शहर को पूरी तरह से सीसीटीवी कैमरे के अंतर्गत रखा जाए। गृह विभाग, पुलिस और महापालिका द्वारा संयुक्त रूप से किए गए सर्वेक्षण के बाद शासन को हर जगह सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए १७४ करोड़ रुपए का अहवाल भेजा गया है, परंतु सरकार द्वारा अभी तक इसकी मंजूरी नहीं मिल पाई है। महापालिका ने २०२२-२३ में १० करोड़ रुपए खर्च कर मीरा भायंदर शहर में ६८० सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। गोल्डन नेस्ट स्थित उड़ान पुल के नीचे नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है। अब पता चल रहा है कि इनमें से अधिकांश सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से बंद हैं। ऐसे भी पुलिस को आवश्यक जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल पा रहा है। देखना है कि पुलिस के अनुरोध के बाद महापालिका कितनी जल्दी बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त कराती है।

मोबाइल पर हात साफ करनेवाला गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड. राह चलते लोगों के हाथ से मोबाइल फोन छीन कर बाइक से भाग जाने वाले एक शातिर चोर को मीरा रोड क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए चोर की पहचान अल्ताफ अली यूनुस खान (३८) के रूप में हुई है अल्ताफ २००८ से आरोपी है. इससे पूर्व भी उसके ऊपर मुंबई पुलिस आयुक्तालय कार्य क्षेत्र के विभिन्न पुलिस थानों में ९ अपराध दर्ज है. पुलिस ने अमिताभ के पास से अ मोबाइल फोन और एक मालाड मालवणी से चुराए गए बाइक को बरामद किया है। मीरा रोड निवासी अजय चौरोडिया जुलाई को शाम ५ बजे शिवार गार्डन के पास स्थित अंटालिया बिल्डिंग के पास से जा रहा था, तभी पीछे से आए एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके हाथ से मोबाइल छीन कर बाइक से फरार हो गया, जिसकी शिकायत उसने मीरा रोड पुलिस थाने में की थी अल्ताफ अली यूनुस खान को भायंदर पश्चिम के पार्वती स्मृति बिल्डिंग की शॉप नंबर ३ से गिरफ्तार किया.

सानवी अस्पताल द्वारा आरोग्य चिकित्सा शिविर संपन्न

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : समाजसेवक शैलेश पांडे प्रवक्ता भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, पूर्वनगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे द्वारा आयोजित संकल्प राष्ट्रसेवा ट्रस्ट, न्यू गोल्डन नेस्ट फेस ७,८,९,१० कॉम्प्लेक्स फेडरेशन एवम अम्बे माता वरिष्ठ नागरिक केंद्र एवम वाचनालय द्वारा संचालित मुफ्त भव्य आरोग्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ,जिसमे सैकडों नागरिकों ने आरोग्य चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता पूर्व राज्यमंत्री श्री अमरजीत मिश्र जी ने किया, प्रमुख अतिथि भाजपा नेता पूर्व राज्यमंत्री डॉ अहमद राणा, भाजपा नेता संतोष दीक्षित ,वी आर पांडे,राकेश सिंह,मनोज सिंह आदि उपस्थित रहे. रविवार १६जुलाई २०२३ सुबह १० बजे से दोपहर २बजे तक स्थान : अम्बे माता वरिष्ट नागरिक केंद्र एवं वाचनालय, नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे द्वारा निर्मित,सोनम आकाश, सोनम आकांक्षा बिल्डिंग के बगल में ,फेस ८, महालक्ष्मी स्वीट्स के अंदर, अम्बे माता मंदिर के पहले,न्यू गोल्डन नेस्ट कॉम्प्लेक्स , भाईदर पूर्व में विशेष स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के द्वारा निम्लिखित जांच मुफ्त की जाएगी आखों की जांच, हृदय रोग की जांच, हड्डी रोग की जांच, स्त्री रोग की जांच मधुमेह की जांच,रक्त की जांच, आदि मुफ्त आरोग्य चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ जिसमे सैकडों नागरिकों ने आरोग्य सुविधा का लाभ उठाया। सानवी हॉस्पिटल के डॉक्टरों डॉ धीरज यादव, डॉ अनिल चौधरी, डॉ रौशन झा पाठक एवम आरोग्य कर्मचारियों आदि डॉक्टरो ने लोगो की जांच की। शिविर की सफल बनाने में संकल्प राष्ट्रसेवा ट्रस्ट के एल आर पांडे, जितेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, विपिन झा,फुलकुमार झा,संजय गुप्ता, संतोष दुबे,नितिन ओझा,विजय पांडे,विश्वनाथ तिवारी, बि एस पाठक, जयप्रकाश तिवारी आदि ने मेहनत किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI